PRATIBIMB
प्रतिबिम्ब

No. 01 Vol. I
January - 2019

A QUARTERLY NEWS BULLETIN OF A.P.S. UNIVERSITY, REWA-486003 (M.P.) INDIA

सप्तम् दीक्षान्त समारोह में आएंगी कुलाधिपति

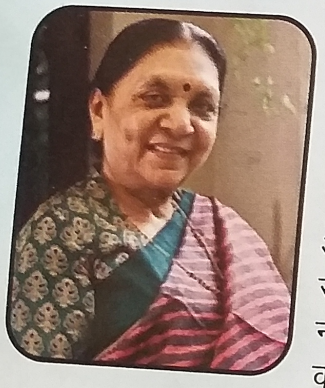

सप्तम दीक्षांत समारोह 1 फरवरी 2019 को पंडित शंभूनाथ शुक्ल सभागार में समारोह पूर्वक संपन्न किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश की राज्यपाल और विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति माननीय श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. के.एन. सिंह यादव की उपस्थिति में आयोजित दीक्षांत कार्यक्रम में देश के शीर्षस्थ वैज्ञानिक प्रोफेसर जी सतीश रेड्डी, पतंजलि योग विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य बालकृष्ण को क्रमशः डी एस सी और डी लिट् की मानद उपाधि प्रदान की जाएगी। समारोह में दीक्षांत उद्बोधन पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के माननीय अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति श्री जसवीर सिंह देंगे। इस अवसर पर विभिन्न परीक्षाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त छात्रों को **'कुलपति स्वर्ण पदक'** का वितरण भी किया जाएगा। दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल ,और पीएचडी उपाधि धारी छात्रों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। स्मरणीय है कि वर्तमान कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह यादव के कार्यकाल में लगातार चतुर्थ, पंचम, षष्टम और सप्तम दीक्षांत समारोह लगातार हर वर्ष आयोजित किया गया, जिसमें कुलपति स्वर्ण पदक और उपाधियों का वितरण किया जाता रहा है।

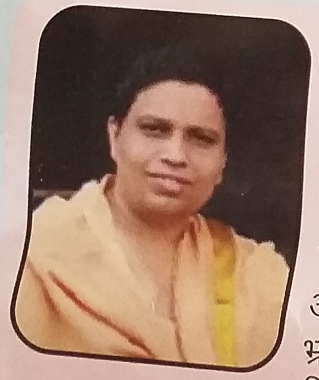

आचार्य डॉ बालकृष्ण वर्तमान में पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलपति हैं। उन्होंने प्राचीन भारत के आयुर्वेदिक ऋषि परंपरा के अंतर्गत धन्वंतरी, महर्षि चरक, सुश्रुत इत्यादि के अनुसार औषध विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चिकित्सीय मूल्यों के अध्ययन हेतु भारत के विभिन्न भूभागों का भ्रमण करने के साथ–साथ गंगोत्री में हिमालय की गुफाओं में रहे। उनके निर्देशन में दिव्य फार्मेसी की स्थापना भी हुई। डॉ बालकृष्ण को देश एवं विदेश की विभिन्न सरकारों द्वारा लगभग 13 सम्मान प्रदान किए गए हैं। नेपाली कैबिनेट ने उन्हें भारत गौरव का सम्मान प्रदान किया आयुर्वेद संस्कृत एवं

को आत्माकुर नेल्लोर, आंध्र प्रदेश में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा अनंतपुर में और बाद में हैदराबाद से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने 1986 में रक्षा विभाग के प्रयोगशाला डीआरडीएल में अपनी सेवाएं दी और बाद में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की प्रेरणा प्राप्त कर मिसाइल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया। वर्ष 2014 में उन्होंने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय में शोध एवं विकास विभाग में वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया और वर्तमान में

योजना है।

शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2018–19 में ए.आई.यू द्वारा आयोजित अर्न्तविश्वविद्यालय एवं अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता में टीमो को सम्मिलित किया जिसमे 19 टीमे अर्न्तविश्वविद्यालय स्तर और 6 टीमो अखिल भारतीय प्रतियोगिता में सम्मिलित हुई। जिसमे विश्वविद्यालय की टेबल टेनिस(महिला) टीम ने अर्न्तविश्वविद्यालय पूर्वो क्षेत्र प्रतियोगिता मे चौथा स्थान प्राप्त कर अखिल भारतीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु क्वालीफाई किया। इसके अतिरिक्त कबडडी(पुरुष),कबडडी(महिला), क्रिकेट(पुरुष), और शंतरज(महिला) टीमो का खेल प्रदर्शन अर्न्तविश्वविद्यालय स्तर पर सराहनीय रहा। अखिल भारतीय प्रतियोगिता हेतु टेबल टेनिस महिला कि टीम दिनांक 16 से 18 फरवरी को चैनाई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में सम्मिलित होगी।

एच.आर.डी. विभाग में 'फ्रैगरेंस' का आयोजन

मानव संसाधन विभाग प्राध्ययन केन्द्र में सात दिवसीय प्रबंध उत्सव फ्रैगरेन्स का आयोजन 27 अक्टूबर 2018 से 30 अक्टूबर 2018 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती अपर्णा शर्मा डायरेक्टर टाटा स्टील प्लांट (मुम्बई) रहीं व देश की प्रमुख मानव संसाधन विकास की स्तम्भ है, उन्होंने देश के प्रमुख कम्पनियों में सलाहकार, प्रबन्ध संचालक के रूप में कार्यरत रही हैं।

श्रीमती अपर्णा शर्मा ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में कठिनाइयों की शुरुआत प्रारम्भिक अवस्था से ही हो जाती लेकिन जिन्होंने अपने दिल की बात सुनी सफलता उनके चरण चूमती है। मैं इसका जीता जागता उदाहरण हूँ। उज्जैन से मुम्बई जाने पर इस बात के लिए हतोस्साहित किया गया कि उज्जैन कहाँ है, परन्तु मैंने टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज में टाप किया और फिर मुड़कर नहीं देखा। इसलिए रीवा के नौजवानों को अपने छोटे स्थान पर होने से हतोस्ताहित होने की आवश्यकता नहीं है। अपने दिल की सुनि और आगे बढ़िये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.के.एन.सिंह यादव ने की। समारोह में विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कु तिवारी ने विभाग की 20 वर्ष की विकास यात्र के बारे में बताया कि विभाग से निकले छात्र देश की प्रमुख कम्पनियों में सी.ई.ओ. से लेकर प्रबं तक के पदों पर कार्यरत हैं। इन चार दिवसों में विभाग द्वारा लगभग 24 विधाओं का आयोजन कियागया था। इसमें सांस्कृतिक, अकादमि विधाओं का आयोजन कियागया। इनका संचालन विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. ऊषा तिवारी, डॉ. सुषमा तिवारी, प्रियंका तिवारी एवं निवि मंगलवानी ने किया।

मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में देश का सिरमौर